ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 26 | सितम्बर -I-2024 | अंक - 11 | माउण्ट आबू | Rs.-12

बिना आध्यात्मिक सशक्तिकरण के स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं

मालनपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी ने कहा कि आज आवश्यकता है आध्यात्मिक सशक्तिकरण की। जब व्यक्ति तन को भी स्वस्थ रखता है और साथ ही साथ आत्म चिंतन, परमात्म चिंतन की बातों से मन को सशक्त बनाता है तब ही वह एक स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण कर पाता है। मुरैना से टाइनी टोट स्कूल के पूर्व निदेशक ब्र.कु. मोहनलाल वर्मा ने कहा कि जब से मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़ा हूँ तब से मैंने पाया कि वास्तव में दुनिया में कितना भी धन कमा लें लेकिन सच्ची संतुष्टता तो आध्यात्मिकता से ही आती है और जब तक व्यक्ति संतुष्ट होकर कार्य नहीं करता, तब तक सच्ची मन की शांति प्राप्त नहीं हो पाती है। इसीलिए यदि हमें स्वच्छ समाज का निर्माण करना है तो अपने मन को बुराइयों से मुक्त करना ही होगा। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन ने सभी का तह दिल से सम्मान व स्वागत करते हुए कहा कि जब हम एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तभी एक खुशहाल वातावरण व स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। हमें कभी किसी का अपमान या बदला लेने का भाव नहीं रखना है। यही परिवर्तन अच्छे समाज का निर्माण करेगा। कार्यक्रम में पोरसा से बीजेपी के मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, स्कूल के डायरेक्टर जैन सर, सत्यम पत्रिका के संपादक विनोद केशवानी आदि गणमान्य लोगों सहित ब्रह्माकुमारी बहनें व भाई आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा वृद्ध लोगों के सम्पूर्ण देखभाल हेतु आशा व कम्युनिटी वर्कर्स के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम

पाटन-दिव्य दर्शन भवन(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित वृद्ध लोगों के सम्पूर्ण देखभाल के लिए आशा व कम्युनिटी वर्कर्स के लिए ट्रेनिंग में जी.वी. मोदी हॉस्पिटल के डॉक्टर ब्र.कु. महेश हेमाद्री ने आशा वर्कर्स व कम्युनिटी वर्कर्स को ट्रेनिंग देते हुए बताया कि वृद्धावस्था में वृद्ध लोगों को शरीर सम्बन्धी क्या-क्या तकलीफें हो सकती हैं। उन्हें कैसे प्रारम्भिक अवस्था में पहचाना जा सकता है व उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है। उन्होंने वृद्ध जनों के आँखों, कान, उनका उठते व चलते समय शरीर का संतुलन ठीक है या नहीं, पेशाब सम्बन्धी कोई तकलीफ तो नहीं है आदि-आदि बातों पर सभी का ध्यान खिंचवाया। कार्यक्रम में समस्त तालुका स्वास्थ्य अधिकारी सहित 600 से अधिक आशा वर्कर्स, कम्युनिटी स्वास्थ्य वर्कर्स व डॉक्टर्स ने इसका लाभ लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर्स व आशा वर्कर्स ने कार्यक्रम की सफलता के लिए ब्रह्माकुमारीज़ का धन्यवाद किया और कहा कि यह प्रोग्राम हमारे लिए बहुत उपयागी है।

मन की गंदगी को निकालने के लिए परमात्मा शिव की शिक्षा अपनाना ज़रूरी

'आध्यात्मिकता द्वारा सनातन संस्कृति का पोषण' पर अखिल भारतीय सम्मेलन का सफल आयोजन

ज्ञान सरोवर-माउण्ट आबू। ज्ञान सरोवर के हार्मनी हॉल में धार्मिक सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिकता द्वारा सनातन संस्कृति का पोषण' सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आचार्य, साधु-सन्यासियों, महामंडलेश्वर, भक्त जनों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन ने सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना परमपिता परमात्मा शिव के द्वारा ही हुई है। परमपिता परमात्मा शिव ने ब्रह्माकुमारी बहनों के सहयोग से अथवा दूसरी भाषा में कहें कि शिव शक्तियों के सहयोग से विश्व को एक बार फिर से विश्व गुरू बनाने का अभियान आठ दशक पहले प्रारंभ किया। यह सभी शिव शक्तियां परमपिता परमात्मा शिव से प्रेम, शांति, आनंद, ज्ञान आदि मूल्यों को ग्रहण कर पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और आनंद का संसार स्थापित करने की प्रक्रिया में लगी हुई हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ धार्मिक सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने सम्मेलन को दिशा देते हुए बताया कि जब तक हम सभी अन्तर्मुखता की गुफा में जाकर खुद का साक्षात्कार नहीं करेंगे, अन्तर्मुखता की तनहाई में जाकर जब तक परमपिता परमात्मा से अपना सानिध्य स्थापित नहीं करेंगे तब तक सम्पूर्णता की प्राप्ति नहीं होगी।

कटनी से आये आचार्य श्री परमानंद जी महाराज ने अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा कि ज्ञान सरोवर के इस परिसर में इतना सुन्दर कार्यक्रम ब्रह्माकुमारियों के प्रयत्न से ही संभव है और बताया कि आत्मा का अध्ययन ही अध्यात्म है। ये ब्रह्माकुमारी बहनें पूरी दुनिया को अध्यात्म की शिक्षा दे रही हैं। हमें भी आत्मा का सच्चा ज्ञान पूरी दुनिया को देना होगा। हम सभी के सहयोग से ही पूरी दुनिया में अध्यात्म फैलेगा।

बौद्ध मोंक समिति दिल्ली से आए भदन्त करुणाकर महाथेरा जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के इस परिसर में अत्यंत आनंद और हर्ष का अनुभव हो रहा है। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाएं अनिवार्य हैं।

अयोध्या धाम से आए आचार्य जलेश्वर दास जी महाराज ने कहा कि अगर हमने परमपिता परमात्मा को सही-सही नहीं जाना और उनके समीप नहीं गए तो सब कुछ व्यर्थ है।

महामंडलेश्वर स्वामी कमल किशोर जी महाराज,सहारनपुर ने ओम शांति का अर्थ बताते हुए कहा कि हमारे वस्त्र गंदे होते हैं तो हम उनको साबुन की मदद से धो सकते हैं। मगर मन में जो गंदगी है उसको निकालने के लिए परमात्मा शिव की शिक्षाओं की ही ज़रूरत होती है।

परमपूज्य शिव योगी नंद गिरी जी महाराज,पुणे, महाराज स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती,भुवनेश्वर, श्री श्री 108 ईश्वर दास जी महाराज,फर्रूखाबाद ने भी अपने भाव प्रकट किए।

धार्मिक सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ ने सभी साधु-संतों का आभार प्रकट किया।

सम्मेलन का कुशल संचालन राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी बहन,हांसी, हरियाणा ने किया।

अधिक ऑनलाइन फ्रेंड्स व लाइक की चाह में फ्रॉड के शिकार हो सकते हैं युवा

मस्तूरी-छ.ग.। आज के युवा जो फेसबुक आदि सोशल मीडिया पर अधिक लाइक की चाह में अनेक फ्रेंड्स बना लेते हैं व अपने पोस्ट पब्लिकली भेजते हैं, वे नहीं जानते कि अनजानेपन में वे अपनी निजी जानकारी ठगों तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं और फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं। उक्त बातें ब्रह्माकुमारीज़ टिकरापारा की राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. प्रीति बहन ने सांदीपनी स्कूल के स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि

साइबर से होते नुकसान पर कार्यक्रम

सांदीपनी एकेडमी,मस्तूरी में बिलासपुर पुलिस व ब्रह्माकुमारीज़ टिकरापारा द्वारा यातायात व साइबर की पाठशाला लगाई गई व नवीन कानून का भी संदेश दिया गया

इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए अपने पोस्ट केवल फ्रेंड्स के साथ साझा करें तथा सेटिंग में व्यू प्रोफाइल को 'फॉर मी ऑनली' रखें। उन्होंने ओटीपी, यूपीआई, गूगल डॉक्स, ओएलएक्स, स्क्रीन शेयर एप्प, जूस जैकिंग, एपीके लिंक आदि अनेक प्रकार के फ्रॉड के बारे में बताया व उनसे बचने के तरीके भी बताये।